सत्र-2020-21

हिन्दी

कक्षा – 7

DAY-1

❖पाठ:3–बड़े भाई को पत्र (लेखक –राजेंद्र प्रसाद)

➢ लेखक परिचय: -

डॉ राजेंद्र प्रसाद का जन्म 3 दिसंबर 1884 को बिहार के जीरादेयी नामक स्थान पर हुआ था।

डा. राजेंद्र प्रसाद स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति थे। राजेंद्र प्रसाद बेहद प्रतिभाशाली और विद्वान व्यक्तिथे। राजेंद्र प्रसाद भारत के एकमात्र ऐसे राष्ट्रपति थे जिन्होंने दो कार्यकालों तक राष्ट्रपति पद पर कार्य किया । इनकी मृत्यु 28 फरवरी 1963 में सदाकत आश्रम पटना में हुई।

➢ पाठ की भूमिका:-

किसी काम को करने से पूर्व यदि अपने से बड़ों की अनुमति और आशीर्वाद लिया जाए तो सफलता अवश्य मिलती है। यह पत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद जी ने अपने बड़े भाई महेंद्र प्रसाद जी को लिखा था जिसमें उन्होंने अपने भाई से गोखले जी की संस्था'सर्वेंट्स ऑफ़ इंडिया सोसाइटी'में सम्मिलित होने की अनुमति मांगी थी।

निहित जीवन- मूल्य:-

*पारिवारिक मूल्यों का निर्वहन

*बड़ों का सम्मान

*आज्ञापालन

*देश–सेवा

*सहानुभूति

पूज्यभैया,
सादर प्रणाम।

आपको याद होगा कि करीब बीस दिन पहले मैं माननीय गोपाल कृष्ण गोखले जी से मिलने गया था। उन्होंने मेरे सामने 'सर्वेंट्स ऑफ़इंडिया सोसाइटी' में सम्मिलित होने का प्रस्ताव रखा था।काफ़ी सोच-विचार के बाद मैं इस नतीजे पर पहुंचा हूं कि मेरे लिए उस प्रस्ताव को स्वीकार कर लेना अच्छा होगा। मैं जानता हूं कि इस बात से आपके हृदय को भारी धक्का लगेगा क्योंकि परिवार की सारी आशाएं मुझपर टिकी हैं।लेकिन भैया, इस समय मैं अपने हृदय में एक महान कार्य करने की पुकार का अनुभव कर रहा हूं। श्रीमान गोखले की सोसाइटी में सम्मिलित होना मेरे लिए कोई व्यक्तिगत त्याग की बात नहीं है। सोसाइटी से जो कुछ मुझे मिलेगा, वही मेरे लिए काफ़ी होगा। मैं जानता हूं कि यदि मैं कमाऊंतो कुछ रुपए हासिल कर सकूंगा। शायद ऐसा करके समाज में अपने परिवार का दर्जा ऊंचा करने में समर्थ होउंगा, जहां लोग अपने विशाल हृदय के कारण नहीं, बल्कि धन के कारण गिने जाते हैं। इस संसार में लोग जितने धनी होते जाते हैं, उतनी ही उनकी आवश्यकताएं भी बढ़ती जाती है। वे सोचते हैं कि धन पाकर ने सुखी होंगे, परंतु सुख तो हृदय से अनुभव किया जाता है।

एक गरीब आदमी उस अमीर आदमी की अपेक्षा अधिक संतुष्ट रहता है जिसके पास लाखों रुपए होते हैं। दुनिया के अनेक महापुरुष पहले दरिद्र ही रहे हैं।

भैया, आप विश्वास रखें, मेरे जीवन में यदि कोई महत्वाकांक्षा है तो यही कि मैं देश- सेवा के काम आ सकूं। आपने ही तो सबसे पहले इन सुंदर भावों को, इन उच्च विचारों को मेरे मन में रोपित किया था। आज जो मार्ग मैं पकड़ना चाहता हूं, उसपर चलने में आप साहस करके अपनी सहमति दें। आपकी सहमति के बिना मैं जीवन में कोई भी कार्य सफलतापूर्वक नहीं कर पाऊंगा। हमलोगों का प्रेम ऐसा है कि जीवन में आने वाली कुछ असुविधाओं और तकलीफों के कारण उसमें कोई कमी नहीं आएगी बल्कि मेरा विश्वास है कि वह अधिक सुदृढ़ होगा ।

गोखले जी के समान प्रभाव, पद या मर्यादा किसे प्राप्त है? और क्या वे एक गरीब आदमी नहीं हैं? क्या हमलोग उनके परिवार से भी ज़्यादा गरीब हैं? अगर लाखों व्यक्ति दो या तीन रुपए महीने से काम चला लेते हैं,तो हमलोग भला सौ रुपए से क्यों नहीं चला सकते?

आप इस बात पर विचार करें और अपनी राय मुझे बताएं। मुझे आशा है, आप अनुमति अवश्य देंगे क्योंकि मेरी नज़रों मेंआप ऐसे व्यक्ति हैं जिनके लिए रुपए-पैसे तुच्छ वस्तु है और सेवा ही सब कुछ है।

कठिनशब्दों के अर्थ :

1. हासिल करना -प्राप्त करना
2. समर्थ-योग्य
3. दरिद्र-गरीब
4. महत्वाकांक्षा-किसी चीज़ को पाने या कुछ करने की इच्छा
5. रोपित-बोया हुआ
6. सुदृढ-बहुत मज़बूत

7. **मर्यादा-सम्मान या प्रतिष्ठा**

DAY-2

❖पाठ संबंधित विडियो

संपर्क :-

1. https://www.google.com/url?sa=t&source=web&rct=j&url=http://amp.bharatdiscovery.org/india/%25E0%25A4%25B0%25E0%25A4%25BE%25E0%25A4%259C%25E0%25A5%2587%25E0%25A4%25A8%25E0%25A5%258D%25E0%25A4%25A6%25E0%25A5%258D%25E0%25A4%25B0_%25E0%25A4%25AA%25E0%25A5%258D%25E0%25A4%25B0%25E0%25A4%25B8%25E0%25A4%25BE%25E0%25A4%25A6&ved=2ahUKEwiy7Y7itMLoAhVEU30KHYF5CssQFjAMegQIARAB&usg=AOvVaw1gR6syp8TzU2BpaXGY3ANE&ampcf=1&cshid=1585578798034

2. https://www.google.com/search?client=ms-android-xiaomi-rev1&tbm=vid&sxsrf=ALeKk00B8X-F6gxtnjgOde0orv8LDqOJQA:1585578651146&q=bade+bhai+ko+patra+lekhak+Rajendra+prasad&sa=X&ved=2ahUKEwiy7Y7itMLoAhVEU30KHYF5CssQ8ccDKAB6BAgJEAI&cshid=1585578798034&biw=393&bih=686

DAY-3

❖पाठ से संबंधित प्रश्नोत्तर:-

1. राजेंद्र प्रसाद जी कितने दिन पहले गोखले जी से मिले थे?

उत्तर-राजेंद्र प्रसाद जी करीब 20 दिन पहले गोखले जी से मिले थे।

2. पत्र में राजेंद्र प्रसाद जी ने अपने भाई से किस बात की अनुमति मांगी है?

उत्तर-डा. राजेंद्र प्रसाद ,माननीय गोपाल कृष्ण गोखले द्वारा संचालित सोसाइटी 'सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी' में सम्मिलित होने के लिए अपने बड़े भाई से अनुमति मांगी है।

3. राजेंद्र प्रसाद जी ने किस महत्वाकांक्षा के बारे में बताया है?

उत्तर-राजेंद्र प्रसाद जी का जीवन में केवल एक ही महत्वाकांक्षा है कि वे देश-सेवा के काम आ सकें।

4. पत्र के अंत में राजेंद्र प्रसाद जी ने अपने भाई के प्रति क्या आशा प्रकट की और क्यों?

उत्तर-पत्र के अंत में राजेंद्र प्रसाद जी ने अपने भाई के प्रति यह आशा प्रकट की कि वे उन्हें माननीय गोपाल कृष्ण गोखले की सोसाइटी में सम्मिलित होने की अनुमति अवश्य देंगे क्योंकि डॉ राजेंद्र प्रसाद की नज़रों में उनके बड़े भाई ऐसे व्यक्ति हैं जिनके लिए रूपए-पैसे तुच्छ वस्तु है और सेवा ही सब कुछ है।

DAY-4

❖पाठ-15.शब्द -भंडार (पर्यायवाची शब्द)

❖पर्यायवाची शब्द-एक समान अर्थ वाले शब्दों को पर्यायवाची शब्द कहते हैं ।जैसे-अश्व-घोड़ा, तुरंग, घोटक, हय।

समान अर्थ वाले शब्द:---

आकाश-नभ, गगन, अंबर, अनंत

बादल-मेघ, घन, वारिद, जलद

तालाब-सरोवर, तड़ाग, पोखर,सर

नारी-महिला, स्त्री,वनिता, कामिनी

दास-सेवक, नौकर, चाकर, परिचारक

मार्ग-राह, रास्ता,पथ, डगर

आंख-नयन, नेत्र, चक्षु,

बाल-केश,अलक,कच

प्रात:-प्रभात, सवेरा, सुबह, भोर

कोयल-पिक, कोकिला,वसंतदूत,श्यामा

बालक-बच्चा, शिशु, बाल

बिजली-चंचला, दामिनी,तड़ित, चपला

किरण-कर, रश्मि, मयूख।

विलोम/विपरीतार्थक शब्द—किसी शब्द के विलोम या विपरीत अर्थ बताने वाले शब्द को विपरीतार्थक शब्द कहा जाता है । जैसे-उदय×अस्त।

शब्द विलोम

दुर्जन×सज्जन

अधिक×न्यून

एड़ी ×चोटी

उचित×अनुचित

कृत्रिम×प्राकृतिक

उधार×नकद

खरा×खोटा

अनाथ×सनाथ

आयात×निर्यात

गुण×अवगुण

नवीन×प्राचीन

आय×व्यय

उपकार×अपकार

सभ्य×असभ्य

समरूपी भिन्नार्थक शब्द-जो शब्द बोलने, सुनने एवं पढ़ने में एक जैसे लगते हैं लेकिन उनमें अर्थ की भिन्नता पाई जाती है, ऐसे शब्दों को समरूपी भिन्नार्थक शब्द कहा जाता है जैसे-उपकार-भलाई, अपकार-बुराई।

कुछ अन्य समरूपी भिन्नार्थक शब्द:-

(1) दिशा-ओर

दशा-अवस्था

(2) उदार-दयालु

उधार-कर्ज

(2) आदि-प्रारंभ

आदि-अभ्यस्त

(3) जगत्-संसार

जगत—कुएं का चबूतरा

(4) बलि-भेंट

बली-शक्तिशाली

(5) कपट-धोखा

कपाट-द्वार

(6) अरि-शत्रु

आरी-औज़ार

(7)अणु-कण

अनु-पश्चात/पीछे

(8)कली-अधखिला

कलि-कलयुग

(9)पका-पका हुआ

पक्का-मज़बूत

(10)निर्जर-देवता

निर्झर-झरना।

❖शब्द-भंडारसे संबंधित वीडियो (पर्यायवाची, विलोम, समरूपी भिन्नार्थक शब्द): -

संपर्क :- https://jobloo.in/paryayvachi-shabd-in-hindi/

https://www.mycoaching.in/2018/10/vilom-shabd.html?m=1
https://www.hindikunj.com/2016/11/hindi-homonym-words.html?m=1

DAY-5

1. **पर्यायवाची और एकार्थक प्रतीत होने वाले शब्दों में क्या अंतर है?**
   उत्तर-एक समान अर्थ वाले शब्दों को पर्यायवाची शब्द कहते हैं जैसे-वायु-अनिल, हवा।

जो शब्द अर्थ में भिन्न हो परंतु एक समान अर्थ वाले लगें, ऐसे शब्दों को एकार्थी प्रतीत होने वाले शब्द कहते हैं | इच्छा-किसी वस्तु को पाने की चाह, आशा-किसी वस्तु के मिलने की संभावना या उम्मीद।

(2) दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

नारी-महिला,स्त्री

मछली-मकर,मीन

तलवार-खड्ग,कृपाण

अतिथि-मेहमान, आगंतुक

कमल-सरोज, पंकज

यमुना-कृष्णा, कालिंदी

किनारा-तट, कगार

नाव-नौका,तरनी

(3) विपरीतार्थक शब्द लिखिए।

क्रय×विक्रय

मान×अपमान

उपस्थित×अनुपस्थित

स्मृति×विस्मृति

यश×अपयश

उपयोगी×अनुपयोगी

देश×विदेश

आरोह×अवरोह

सफल×असफल

पक्ष×विपक्ष

उचित×अनुचित

चल×अचल